अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क के साथ

# जीने का तरीका

*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क अभ्यास-आधृत संसाधन* परियोजना को शिक्षा, रोजगार और कार्यस्थल संबंध विभाग (Department of Education, Employment and Workplace Relations) के माध्यम से ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा वित्त-पोषित किया गया है। ये संसाधन समुदाय बाल-देखभाल सहकारी लिमिटेड (एन एस डब्ल्यू) [Community Child Care Co-operative Ltd (NSW)] द्वारा आरंभिक बचपन के शिक्षकों को *अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क* को लागू करने में समर्थन देने के लिए विकसित किए गए हैं।

विभाग के चिह्न कॉमनवेल्थ कोट ऑफ आर्म्स, ट्रेड मार्क द्वारा सुरक्षित की गई सामग्री और जहां अन्यथा नोट किया गया हो - इन अपवादों के अतिरिक्त इस दस्तावेज़ में प्रस्तुत की गई सभी सामग्री एक क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्युशन 3.0 ऑस्ट्रेलिया (http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/au/) के लाइसेंस के तहत उपलब्ध कराई गई है।

प्रासंगिक लाइसेंस की शर्तों का विवरण और सीसी बाई 3.0 एयू का पूरा कानूनी कोड (http://creativecommons.org/licenses/by/3.0/au/legalcode) क्रिएटिव कॉमन्स की वेबसाइट (दिए गए लिंक का उपयोग करके इसे देखा जा सकता है) पर उपलब्ध है।

इस दस्तावेज़ को *अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क अभ्यास-आधृत सँसाधन - अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क के साथ जीने का तरीका* के रूप में अभिस्वीकृति दी जानी चाहिए।

ISBN: 978-0-9873543-0-3

# विषयवस्तु


अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क क्या है? 4

बड़े विचार 5

कार्य करने के लिए एक रूपरेखा 10

दिशा-बोध 12

सभी बातों का समायोजन करना 14

एक व्यावसायिक के रूप में कार्य करना 16

# अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क क्या है?

*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क* (ई वाई एल एफ) आरंभिक बचपन के शिक्षकों के लिए एक निर्देशिका है। सिद्धांतों, कार्य-विधियों और शिक्षण-परिणामों की एक श्रृंखला के माध्यम से यह युवा बच्चों के साथ हमारे काम के तरीकों के बारे में महत्वपूर्ण विचारों का निर्धारण करता है।

यह कोई पाठ्यक्रम या सिलेबस नहीं है। यह हमें इस बारे में निर्देश नहीं देता है कि हरेक दिन या हरेक सप्ताह हमें क्या करना चाहिए। ई वाई एल एफ इस बात की याद दिलाता है कि शिक्षण इतना महत्वपूर्ण होता है कि इसे भाग्य पर नहीं छोड़ा जा सकता है और यह हमें बच्चों की शिक्षा, विकास और परिणामों के लिए दिशा-निर्देश देता है।

## शिक्षक कौन होता है?

ई वाई एल एफ में आरंभिक बचपन के उन सभी व्यावसायिकों को शिक्षक माना जाता है जो बच्चों के साथ सीधे काम करते हैं। यह इस तथ्य को मान्यता देता है कि चाहे किसी शिक्षक की विशिष्ट भूमिका कुछ भी हो, सभी शिक्षक बच्चों की शिक्षा को समर्थन देते हैं।

# बड़े विचार

## अपनापन, अस्तित्व और कुछ बनना

ये शब्द ई वाई एल एफ के शीर्षक में भी हैं - लेकिन ये मात्र एक आकर्षक वाक्यांश से कहीं अधिक बढ़-चढ़ कर हैं। चार सरल शब्दों के माध्यम से यह वास्तव में हमारे आरम्भिक बचपन के शिक्षकों के रूप में बच्चों और परिवारों के साथ हमारे काम का सार-सँक्षेप बताते हैं।

यदि हमारी देखभाल में हरेक बच्चे को अपनेपन की वास्तविक भावना का अनुभव हो सके; यदि उन्हें स्वयं के लिए समय और स्थान मिल सके; और यदि वे जो बन रहे हैं, उसमें उन्हें समर्थन दिया जा सके, तो हमने एक अच्छा काम किया है।

अपनापन, अस्तित्व और कुछ बनना – ये सभी महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन **अपनेपन** का विचार केंद्र में है। बच्चों को अपनापन महसूस करने में समर्थन देकर हम उन्हें समुदाय का एक हिस्सा बनने और परिणाम प्राप्त करने की दिशा में काम करने का अवसर प्रदान करते हैं।

एक वयस्क के रूप में हम यह जानते हैं कि अपनापन न महसूस कर पाना कितना तनावपूर्ण हो सकता है। जब हम तनाव या व्यग्रता से ग्रस्त होते हैं, तो हमें यह पता होता है कि हम सीखने के लिए एक सही मानसिक परिवेश में नहीं हैं। बच्चों के लिए भी यही बात सच है। यही कारण है कि हम जो कुछ भी करते हैं, उसके आधार में अपनेपन की भावना होना आवश्यक होता है।

“आरंभिक बचपन के वर्ष केवल भविष्य के लिए तैयारी करने के बारे में ही नहीं हैं, वे वर्तमान के बारे में भी हैं।”

*(अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क, पृष्ठ 7)*

**अस्तित्व** इस बारे में है कि बच्चों को अपने वास्तविक स्वरूप में रहने का अवसर दिया जाए। यह इस बारे में है कि बच्चों को अपनी स्वयं की गति के अनुसार बढ़ने का अवसर दिया जाए, बजाय इसके कि उन्हें ऐसा अहसास हो कि हम उन्हें अपने जीवन के अगले चरण पर जल्दी पहुँचने के लिए हमेशा तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।

बचपन में जल्दबाजी करना आवश्यक नहीं है। कभी-कभी पांच साल (या चार, या तीन, या दो साल...) की उम्र का होने के लिए सबसे अच्छी तैयारी पूरे एक साल-भर के लिए चार साल (या तीन, या दो, या एक साल) की उम्र का होना है।

“अस्तित्व” के लिए समय देने से बच्चे:

- बचपन की खुशियों और आश्चर्यजनक बातों का अनुभव कर सकते हैं;
- स्वयं के बारे में, और वे जो हैं उसके बारे में जान सकते हैं;
- गहरे और संतोषजनक संबंध विकसित कर सकते हैं; और
- पूरी तरह से नए विचारों और अभिरुचियों में शामिल हो सकते हैं।

**कुछ बनने** से अभिप्राय यह है कि बच्चे बड़े होकर क्या बनेंगे। यह उन्हें अपनी क्षमता को पहचान पाने में समर्थन देने और समुदाय के एक सक्रिय सदस्य के रूप में विकसित होने के लिए मदद देने में हमारी भूमिका के बारे में है। अस्तित्व को कुछ बनने के विचार के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। हमारा एकमात्र उद्देश्य बस "भविष्य के लिए तैयारी करना" ही नहीं होना चाहिए। परंतु हम इसे नज़रअंदाज भी नहीं कर सकते हैं। आरंभिक बचपन के शिक्षकों के रूप में भविष्य के लिए तैयारी हमारी भूमिका का एक भाग होता है, बशर्ते हम केवल इसी एक चीज पर पूरा ध्यान केंद्रित न करें।

# कार्य करने के लिए एक रूपरेखा

## सिद्धांत और कार्य-विधियाँ

अपनेपन, अस्तित्व और कुछ बनने के बड़े विचारों को रेखांकित करने के साथ में ई वाई एल एफ हमारे काम करने के दिशा-निर्देशों के रूप में पांच सिद्धांतों और आठ कार्य-विधियों का निर्धारण भी करता है। ये फ्रेमवर्क के तहत हमारे कार्य का मार्गदर्शन करते हैं। ये सभी आरंभिक बचपन की शिक्षा को सबसे अधिक प्रभावी बनाने वाले कारकों के बारे में अनुसंधान पर आधारित हैं। ये साथ मिलकर हमें ई वाई एल एफ को कार्यान्वित करने के लिए कुछ उपकरण और विचार उपलब्ध कराते हैं।

इनका इस्तेमाल अलग-अलग सेवाओं में अलग-अलग तरीकों से किया जाता है। ई वाई एल एफ से अभिप्राय यह नहीं है कि सभी लोग एक ही तरह से काम करें। प्रत्येक सेवा अपने तरीके से सिद्धांतों और कार्य-विधियों को लागू करती है, जो उस सेवा के अनुरूप होता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक सिद्धांत और कार्य-विधि को परिलक्षित किया जाए, तथा जिस तरह से उनका समायोजन किया जाए, वह बच्चों, परिवारों और किसी सेवा-विशेष के शिक्षकों के लिए प्रभावी हो।

## सिद्धांत

1. सुरक्षित, सम्मानजनक और पारस्परिक संबंध
2. साझेदारियां
3. ऊँची उम्मीदें और समानता
4. विविधता के प्रति सम्मान
5. अनवरत शिक्षा और चिंतनशील व्यवहार

## कार्य-विधियाँ

1. समग्र दृष्टिकोण
2. बच्चों के प्रति जवाबदेही
3. खेल के माध्यम से शिक्षण
4. साभिप्राय शिक्षण
5. शिक्षण के वातावरण
6. सांस्कृतिक सक्षमता
7. शिक्षण और परिवर्तन की निरंतरता
8. शिक्षण का मूल्यांकन

# दिशा-बोध

**ई वाई एल एफ का अंतिम भाग शिक्षण-परिणाम हैं:**

1. बच्चों में पहचान की एक सुदृढ़ भावना है
2. बच्चे अपनी दुनिया के साथ जुड़े हुए हैं और इसके प्रति योगदान देते हैं
3. बच्चों में कल्याण की सुदृढ़ भावना मौजूद है
4. बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और समावेशित शिक्षार्थी हैं
5. बच्चे प्रभावी तरीके से संवाद कर सकते हैं

अपनेपन, अस्तित्व और कुछ बनने के बड़े विचारों की तरह ही, ये परिणाम हमें बच्चों की क्षमताओं की पहचान करने और उन्हें हर रोज की गतिविधियों में अपनी क्षमताओं का उपयोग करने के लिए अवसर प्रदान करते हैं।

ये परिणाम बच्चों के शिक्षण की हमारी योजना को एक केंद्र प्रदान करते हैं। ये हमें इस बात की याद दिलाते हैं कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम प्रत्येक बच्चे को उसके शिक्षण की अधिक से अधिक क्षमता तक पहुँचने में मदद दें।

# सभी बातों का समायोजन करना

हालांकि ई वाई एल एफ का निर्माण अलग-अलग भागों में किया गया है - सिद्धांत, व्यवहार और शिक्षण-परिणाम – पर इनमें से कोई भी अकेले ही प्रभावी नहीं हो सकता है। फ्रेमवर्क का प्रभावी रूप से उपयोग करने के लिए हमें यह सोचने की ज़रूरत है कि इन अलग-अलग भागों को एक-साथ कैसे समायोजित किया जा सकता है। यदि हम सिद्धांतों और कार्य-विधियों को अपने दिशा-निर्देश के रूप में प्रयोग करें, तो शिक्षण-परिणाम विकसित हो पाएंगे।

यह सरल नहीं है। फ्रेमवर्क बच्चों के लिए ऊँची उम्मीदें होने के महत्व पर प्रकाश डालता है। इसमें हमारे लिए भी एक शिक्षक के रूप में ऊँची उम्मीदें निहित हैं।

फ्रेमवर्क के तहत काम करने का मतलब यह है कि हम:

- क्या करते हैं, इसके बारे में चिंतनशील और विचारशील हों;
- इसे कैसे करते हैं, इसके बारे में संवेदनशील और लचीले हों; और
- लगातार अपने ज्ञान और काम करने के तरीके विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हों।

यह चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन यह प्रतिफलक भी हो सकता है - शिक्षकों के रूप में हमारे लिए, और जिन बच्चों और परिवारों के साथ हम काम करते हैं उनके लिए भी।

चाहे हम कभी-कभी किसी के लिए "बस हमें यह बताएं कि क्या करना है" की इच्छा क्यों न करें, फिर भी ऐसा हमेशा संभव नहीं हो सकता है। जब हम हरेक दिन अपने सैकड़ों निर्णयों के बारे में सोचते हैं, तो हम यह देख सकते हैं कि कोई भी दस्तावेज़ हमें प्रत्येक मामले में यह नहीं बता सकता है कि हमें क्या करना चाहिए।

इन निर्धारणों के लिए हम अपने स्वयं के व्यावसायिक निर्णय पर विश्वास करते हैं। इस बात को समझना ई वाई एल एफ को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

# एक व्यावसायिक के रूप में कार्य करना

## इस बात से अवगत रहें कि आप क्या करते हैं और आप इसे क्यों करते हैं।

यदि एक वाक्य में ई वाई एल एफ का सार-सँक्षेप दिया जाए, तो शायद वह यही होगा। ई वाई एल एफ इस विचार को प्रस्तुत करता है कि हम जो कुछ भी करते हैं, उसके बारे में हम विचारशील और उद्देश्यपूर्ण हों। यह एक पेशेवर होने का आधार है - और वास्तव में ई वाई एल एफ हमें यही करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

किसी भी क्षेत्र में एक पेशेवर होने से तात्पर्य यह है कि किसी दी हुई परिस्थिति में कुछ करने के बारे में निर्णय लेने के लिए हम विशिष्ट ज्ञान का उपयोग करने में सक्षम हों। जब हम नर्स, डॉक्टर, प्लंबर या एकाउंटेंट जैसे अन्य पेशेवरों के बारे में सोचते हैं, तो हम यह चाहते हैं कि वे किसी समस्या या प्रश्न के बारे में अपने ज्ञान का उपयोग करके हमें एक ऐसा उत्तर या समाधान उपलब्ध कराएं जो हमारी परिस्थिति के लिए सर्वोपयुक्त हो।

ई वाई एल एफ हमें बस इसी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है – यानि कि हरेक परिस्थित में सबसे अच्छा निर्णय लेने में दिशा-निर्देश के लिए हम अपने ज्ञान और अनुभव का प्रयोग करें।

हमें इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि हम क्या करते हैं और क्यों करते हैं।

ई वाई एल एफ आरंभिक बचपन के शिक्षण के व्यावसायिक ज्ञान के लिए हमारी निर्देशिका है। सिद्धांत, कार्य-विधियाँ और शिक्षण उच्च गुणवत्ता के आरंभिक बचपन शिक्षण के बारे में हमारे ज्ञान पर आधारित होते हैं। यह फ्रेमवर्क जानबूझकर खुला और लोचपूर्ण है, क्योंकि हमारे लिए अपने निर्णय स्वयं लेना महत्वपूर्ण होता है। लेकिन यह भी सुस्पष्ट है कि यह जिन प्रमुख विचारों की रूपरेखा देता है, वे हमारी सभी गतिविधियों के आधार में रहें।

फ्रेमवर्क को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए कई तरीके होने का मतलब यह नहीं है कि कुछ भी किया जा सकता है। प्रत्येक सेवा में ई वाई एल एफ अलग-अलग रूप से परिलक्षित होता है (और ऐसा होना भी चाहिए)। लेकिन कार्य-कलाप करते समय प्रत्येक सिद्धांत और कार्य-विधि परिलक्षित होनी चाहिए, और हम जो कुछ भी करते हैं उसमें यह दिखना चाहिए कि वह बच्चों को अपने शिक्षण परिणाम प्राप्त करने में मदद करता है।

आरंभिक बचपन का शिक्षण जटिल होता है - बाहर से यह सामान्य रूप से जितना जटिल दिखता है, उसकी तुलना में कहीं अधिक जटिल। शायद ही ऐसे कोई समाधान हों जो हमारे सामने प्रस्तुत होने वाली सभी चुनौतियों का एकरूप से प्रत्युत्तर दे सकें। इसके स्थान पर हम क्या करते हैं, इसका निरूपण हमारे संदर्भ द्वारा किया जाता है – हम कहाँ है, हम किसके साथ काम कर रहे हैं व हमारे आस-पास और क्या हो रहा है।

ई वाई एल एफ का मूल्य इस बात में नहीं है कि यह सभी उत्तर उपलब्ध करा सकता है – वास्तव में यह ऐसा कर ही नहीं सकता है। ई वाई एल एफ का मूल्य इसमें है कि यह आरंभिक बचपन के सफल शिक्षण के आधार में स्थित महत्वपूर्ण विचारों का निर्धारण करता है, जिससे कि हम जिन बच्चों और संबद्ध परिवारों के साथ काम करते हैं, उनके सर्वोत्तम हित के लिए अपने स्वयं के निर्णय ले सकें।

My Family
Katrine's children